प्रो. राम देव भंडारी : महोदय, इस प्रकार की कोई परम्परा नहीं है। ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : एक मिनट बैठिए। ...**(व्यवधान)**... एक मिनट बैठिए। उन्होंने मुझे लैटर लिखकर दिया है, वह पढ़ कर सुना देता हूं। ...**(व्यवधान)**... सुनिए-सुनिए, इतनी जल्दी मत करिए भंडारी जी। "Yesterday the Leader of the Opposition was identified to raise some points, but he was not allowed by Members of the Treasury ..... raise the issue and oblige".

मैं समझता हूं इसमें कोई आपत्ति नहीं है।

प्रो. राम देव भंडारी : मुझे आपत्ति है मगर मैं आपकी आज्ञा का पालन कर रहा हूं।

श्री सभापति : आप केवल मूव करिए। आप भाषण नहीं करेंगे, केवल प्रस्ताव मूव करेंगे।

MOTION OF THANKS ON THE PRESIDENT'S ADDRESS

DR. KARAN SINGH (NCT of Delhi): Sir, I beg to move:-

> That an Address be presented to the President in the following terms:
>
> "That the Members of the Rajya Sabha assembled in this Session are deeply grateful to the President for the Address which he has been pleased to deliver to both Houses of Parliament assembled together on June 7, 2004"

...(Interruptions)...

SHRI VAYALAR RAVI (Kerala): Sir, I second the motion *...(Interruptions)...*

MATTER RAISED WITH PERMISSION

Not allowing Leader of Opposition to Complete his Speech on the Selection of the Council of Ministers

श्रीमती सुषमा स्वराज (हरियाणा) : माननीय सभापति महोदय, कल जिस समय माननीय प्रधान मंत्री जी अपने मंत्रिमंडल के सदस्यों का परिचय कराने के लिए यहां आए